

मर्क तू पावन है, और मन भावन है,
सदा सुहावन है -----

मेरी मर्क SSSS गौरी मर्क SSS

गौरी मर्क SSSS प्यारी मर्क SSS

प्यारी मर्क SSSS न्यारी मर्क SSS

मेरा जीवन ये, लागे पतझड़ सा,
मर्क तू सावन है -----

मेरी मर्क गौरी मर्क -----

मर्क तू पावन है -----

① किससे कहूँ मर्क, दिल के दुखड़े ॥2॥

दे दो मर्क बस, प्यार के तुकड़े

जब भी पुकारा दौड़ के आई

तनिक न देर लगाई

मर्क तू अच्छी है, दिल की सच्ची है ॥2॥

और अति पावन है SSSS

मेरी मर्क गौरी मर्क -----

मर्क तू पावन है -----

② मर्क बेटे का, सुन्दर नाता ॥2॥

अँखियों में नीर पर, दिल ये गाता

तू है भाग विधाता माता और तू ही जगमाता
 मर्लू तू निर्मल है, मर्लू तू कोमल है ॥२॥
 और भय तारन है SSSSS

मेरी मर्लू गौरी मर्लू

मर्लू तू पावन है

③ पार तेरा मर्लू किसने पाया ॥२॥

कहीं धूप कहीं करती हाया..

मेरे मन को मर्लू ही भायी और कोई न भाया

मर्लू तू दानी है, शिव पटरानी है ॥२॥

और जग तारन है SSSSS

मेरी मर्लू गौरी मर्लू

मर्लू तू पावन है

④ "श्री बाबा श्री" मर्लू शरण में तेरी ॥२॥

पार करो मर्लू नैया मेरी

तू ही नैया, तू ही खिवैया

अब ना करो मर्लू देरी

तेरी ममता का, तेरी क्षमता का ॥२॥

न कोई दामन है SSSS

मेरी मर्लू गौरी मर्लू

मर्लू तू पावन है